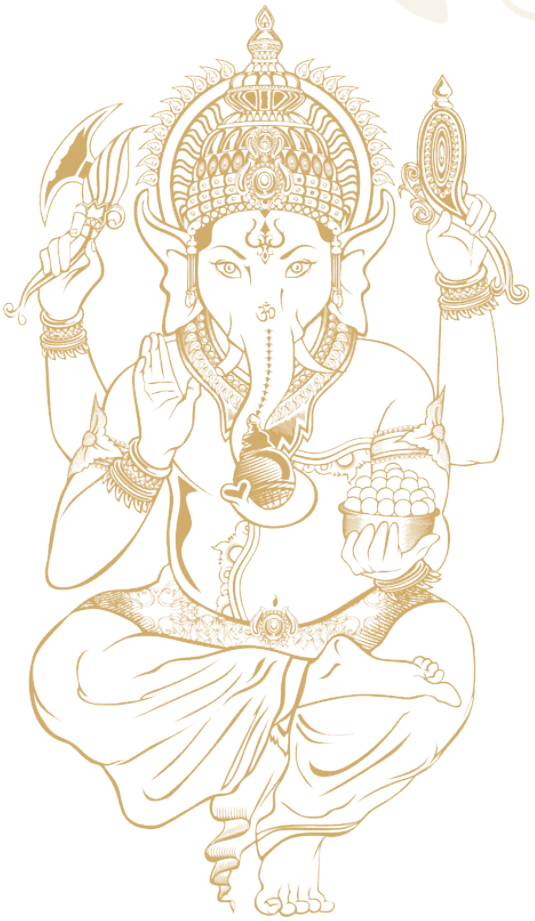

Hariaksh

22 Mar 2013

07:15 AM

Faridabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121633605

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/03/2013**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:15:00 घंटे**
इष्ट	02:10:30 घटी
स्थान	**Faridabad**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:24:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:54:12 घंटे
वेलान्तर	-00:06:52 घंटे
साम्पातिक काल	18:53:07 घंटे
सूर्योदय	06:22:47 घंटे
सूर्यास्त	18:33:01 घंटे
दिनमान	12:10:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:33:23 मीन
लग्न के अंश	24:40:45 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	अतिगण्ड
करण	गर
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:40:45	498:35:21	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			मीन	07:33:23	00:59:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	03:21:47	12:13:11	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल		अ	मीन	13:33:11	00:46:19	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	12:26:00	00:23:09	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			वृष	16:15:31	00:08:44	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मीन	05:52:36	01:14:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि	व		तुला	16:39:56	00:02:59	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		तुला	23:56:01	00:04:21	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	23:56:01	00:04:21	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष			मीन	14:02:44	00:03:25	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप			कुंभ	09:50:23	00:02:04	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	17:25:07	00:00:40	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			धनु	18:10:33	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:44

लग्न-चलित

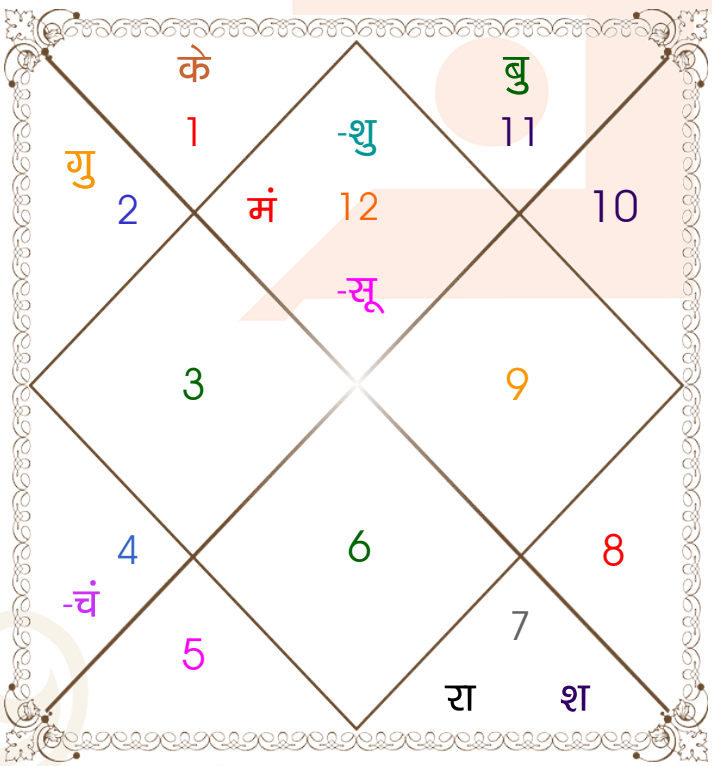

चन्द्र कुंडली

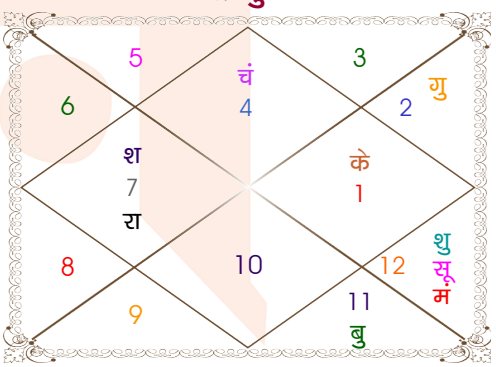

नवमांश कुंडली

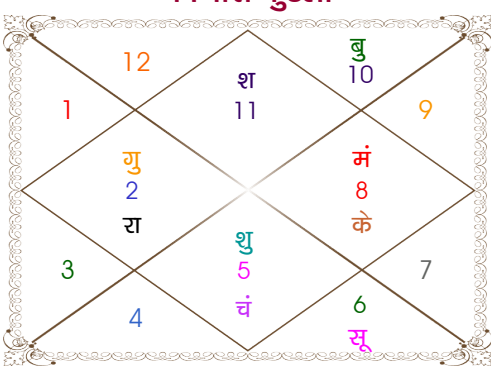

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 11 मास 14 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/03/2013		06/03/2032		06/03/2049		06/03/2056		06/03/2076	
06/03/2032		06/03/2049		06/03/2056		06/03/2076		07/03/2082	
शनि	09/03/2016	बुध	03/08/2034	केतु	02/08/2049	शुक्र	07/07/2059	सूर्य	24/06/2076
बुध	17/11/2018	केतु	31/07/2035	शुक्र	03/10/2050	सूर्य	06/07/2060	चंद्र	23/12/2076
केतु	27/12/2019	शुक्र	31/05/2038	सूर्य	07/02/2051	चंद्र	07/03/2062	मंगल	30/04/2077
शुक्र	26/02/2023	सूर्य	06/04/2039	चंद्र	08/09/2051	मंगल	07/05/2063	राहु	25/03/2078
सूर्य	08/02/2024	चंद्र	05/09/2040	मंगल	05/02/2052	राहु	06/05/2066	गुरु	11/01/2079
चंद्र	08/09/2025	मंगल	02/09/2041	राहु	22/02/2053	गुरु	04/01/2069	शनि	24/12/2079
मंगल	18/10/2026	राहु	21/03/2044	गुरु	29/01/2054	शनि	06/03/2072	बुध	29/10/2080
राहु	24/08/2029	गुरु	27/06/2046	शनि	10/03/2055	बुध	05/01/2075	केतु	06/03/2081
गुरु	06/03/2032	शनि	06/03/2049	बुध	06/03/2056	केतु	06/03/2076	शुक्र	07/03/2082

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
07/03/2082		06/03/2092		07/03/2099		07/03/2117		07/03/2133	
06/03/2092		07/03/2099		07/03/2117		07/03/2133		00/00/0000	
चंद्र	05/01/2083	मंगल	02/08/2092	राहु	18/11/2101	गुरु	26/04/2119	शनि	23/03/2133
मंगल	06/08/2083	राहु	21/08/2093	गुरु	13/04/2104	शनि	06/11/2121		00/00/0000
राहु	04/02/2085	गुरु	28/07/2094	शनि	18/02/2107	बुध	12/02/2124		00/00/0000
गुरु	06/06/2086	शनि	05/09/2095	बुध	06/09/2109	केतु	18/01/2125		00/00/0000
शनि	05/01/2088	बुध	02/09/2096	केतु	24/09/2110	शुक्र	19/09/2127		00/00/0000
बुध	06/06/2089	केतु	29/01/2097	शुक्र	24/09/2113	सूर्य	07/07/2128		00/00/0000
केतु	05/01/2090	शुक्र	31/03/2098	सूर्य	19/08/2114	चंद्र	06/11/2129		00/00/0000
शुक्र	05/09/2091	सूर्य	06/08/2098	चंद्र	18/02/2116	मंगल	13/10/2130		00/00/0000
सूर्य	06/03/2092	चंद्र	07/03/2099	मंगल	07/03/2117	राहु	07/03/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 11 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।